

भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजीकृत) चेन्नई

ज्योतिष विशारद परीक्षा : दिसम्बर 2011

समय : 3 घन्टे

प्रश्न पत्र-II

कुल अंक : 50

नोट :- कुल पांच प्रश्नों का उत्तर दें। प्रश्न 1 एवं 6 अनिवार्य है। प्रत्येक भाग से कम से कम एक और प्रश्न का उत्तर देते हुए शेष तीन प्रश्नों का उत्तर दें। सब प्रश्नों का अंक समान है।

भाग-I (षडबल)

1. निम्नलिखित कुण्डली के आधार पर उच्च बल की गणना करें।
जन्मतिथि- (29.2.1896) समय 12:58 बजे, स्थान बिलिमोरा
लग्न-मिथुन 03:14, सूर्य-कुम्भ 17:51, चंद्र-सिंह 24:47, मंगल-मकर 05:14, बुध-मकर 21:16, बृहस्पति(व)-मकर 07:39,
शुक्र-मकर 14:33, शनि(व)-तुला 26:42, राहु-कुम्भ 11:16
2. (क) अहर्गण तथा सृष्टियादि अहर्गण से आप क्या समझते हैं?
(ख) अब्दाधिपति, मासाधिपति तथा वाराधिपति के क्या मतलब हैं?
(ग) बुधवार के दिन सूर्योदय के 21 घंटे बाद जन्में जातक का होराधिपति ज्ञात करें।
3. प्रश्न क्रमांक एक में दिए गए कुण्डली के लिए केन्द्र तथा देष्काण बल ज्ञात करें।
4. (क) इष्ट तथा कष्ट फल की गणना कैसे की जाती है?
(ख) इष्ट तथा कष्ट फल की सहायता से विभिन्न दशा/युक्ति कालों में घटनाओं का प्रतिपादन कैसे करेंगे?
5. किन्हीं चार पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें :-
(क) षडबल का महत्व
(ख) भाव बल
(ग) सप्तवर्गज बल
(घ) नैसर्गिक बल
(ङ) पक्ष बल

भाग-II (भाव निर्णय)

6. उदाहरण के साथ किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें।
(क) भावात् भावम् नियम
(ख) लग्न कुण्डली तथा भाव कुण्डली में अंतर बतायें? भाव कुण्डली के क्या महत्व हैं?
(ग) योग कैसे और कब फलीभूत होता है।
7. नीचे दिए कुण्डली में सप्तांश तथा होरा कुण्डली का अध्ययन किस प्रकार करेंगे?
लग्न-वृषभ 03:44, सूर्य-तुला 22:40, चंद्र-मिथुन 10:57, मंगल(व)-मीन 18:03, बुध-तुला 04:20, बृहस्पति-वृष 27:00, शुक्र-धनु 09:14, शनि-वृष 02:46, राहु-सिंह 27:59, केतु-कुम्भ 27:59
8. किसी जन्मांग में निम्न घटनाओं को किस प्रकार देखेंगे

- (क) पदोन्नति (ख) सन्तान का जन्म
(ग) भूमि खरीदना (घ) उत्तम शिक्षा (ङ) विदेश में बसना
9. (क) उदाहरण सहित कारको भाव नाशाय के नियम को समझाएँ।
(ख) उदाहरण सहित केन्द्र अधिपत्य दोष के नियम को समझाएँ।
10. निम्न कुण्डली का अध्ययन कर दशम भाव पर चर्चा करें। क्या जातक ने व्यवसाय में ऊँचाईयों को छुआ होगा। कारण सहित समझाएँ।
जन्म 12.07.1960, समय 06.05 स्थान शाँहजापुर (उ.प्र.)
दशा शेष राहू 12 व 1 मा 8 दि
लग्न-कर्क 04:38, सूर्य-मिथुन 26:21, चंद्र-कुम्भ 11:02 मंगल-मेष 02:13,
बुध(व)-कर्क 04:20, बृहस्पति(व)-धनु 02:47, शुक्र-कर्क 01:42, शनि(व)-
धनु 21:28, राहू-सिंह 23:46, केतु-कुम्भ 23:46